आकाशवाणी
क्षेत्रीय समाचार एकांश
देहरादून (उत्तराखण्ड)
मंगलवार 21.05.2024
समय 1830

मुख्य समाचार :–

- उत्तराखंड उच्च न्यायालय ने एक साल के भीतर पूरे प्रदेश में **नियमित पुलिस** की व्यवस्था लागू करने का निर्देश दिया।
- राज्यपाल गुरमीत सिंह ने कालसी स्थित पशु प्रजनन प्रक्षेत्र का भ्रमण किया। कहा– प्रक्षेत्र में विकसित की जा रही तकनीक का किसानों को लाभ मिले।
- यमुनोत्री धाम में पैदल यात्रा मार्ग पर तीर्थयात्रियों की आवाजाही को सुचारू और सुरक्षित बनाने के लिए नई व्यवस्था लागू की गयी।
- **और,** चम्पावत जिले में स्थित प्रसिद्ध गुरुद्वारा रीठा साहिब में सालाना जोड़ मेला आज से शुरू।

रेगुलर पुलिस

उत्तराखंड उच्च न्यायालय ने एक साल के भीतर पूरे प्रदेश में **नियमित पुलिस** की व्यवस्था करके उसकी रिपोर्ट न्यायालय में पेश करने का निर्देश दिया है। मुख्य न्यायधीश रितु बाहरी और न्यायमूर्ति राकेश थपलियाल की खण्डपीठ ने राजस्व पुलिस व्यवस्था समाप्त करने को लेकर दायर जनहित याचिका का निस्तारण करते हुए यह निर्देश दिये। आज हुई सुनवाई में राज्य सरकार की ओर से कहा गया कि प्रदेश के कई क्षेत्रों में नियमित पुलिस की व्यवस्था कर दी है और अन्य क्षेत्रों में इस व्यवस्था को लागू करने के लिए सरकार प्रयास कर रही है।

ज्यपाल कालसी

राज्यपाल गुरमीत सिंह ने कहा है कि उत्तराखंड पशुधन विकास बोर्ड तकनीकी के क्षेत्र में उच्च स्तर का है जो ओवम पिकअप, आईवीएफ, जेनेटिक इंजीनियरिंग और जिनॉम इंजीनियरिंग के अंतर्गत बहुत अच्छा काम कर रहा है। राज्यपाल ने आज कालसी स्थित पशु प्रजनन प्रक्षेत्र के भ्रमण के दौरान यह बात कही। राज्यपाल ने कहा कि इस प्रक्षेत्र में जिस प्रकार की तकनीकी विकसित की गई है उससे हम पूरे राष्ट्र के अंतर्गत क्रांति ला सकते है। उन्होंने कहा कि प्रक्षेत्र में विकसित की जा रही प्रौद्योगिकी का लाभ हमारे किसानों को मिले, इसके लिए विशेष प्रयास किये जाने चाहिए। इस दौरान राज्यपाल ने क्षेत्र में पाले जा रहे मवेशियों का निरीक्षण किया और जानवरों के प्रबंधन पर संतोष व्यक्त किया।

यमुनोत्री धाम

यमुनोत्री धाम में पैदल यात्रा मार्ग पर तीर्थयात्रियों की आवाजाही को सुचारू और सुरक्षित बनाने के लिए नई व्यवस्था शुरू की गई है। इस संबंध में जिलाधिकारी डॉ. मेहरबान सिंह बिष्ट ने आदेश जारी किये हैं। नई व्यवस्था के तहत जानकीचट्टी से यमुनोत्री तक यात्रा करने वाले घोड़ों और खच्चरों की संख्या अधिकतम 800 तय की गई है। इस मार्ग पर सुबह 4 बजे से शाम 5 बजे तक घोड़े–खच्चरों की आवाजाही हो सकेगी। प्रत्येक घोड़े–खच्चर के प्रस्थान, यात्री के दर्शन और वापसी के लिए कुल पांच घंटे का समय निर्धारित किया गया है। इससे अधिक कोई घोड़ा–खच्चर यात्रा मार्ग पर नहीं रहेगा। यमुनोत्री धाम पहुंचने पर तीर्थयात्रियों को दर्शन आदि के लिए 60 मिनट का समय निर्धारित किया गया है। घोड़ों और खच्चरों के लिए पर्चियां प्रीपेड काउंटर पर ही जारी की जाएंगी और भुगतान की व्यवस्था भी वहीं की जाएगी। जानकीचट्टी से यमुनोत्री तक यात्रा करने वाली डंडी–कंडी की संख्या अधिकतम 300 निर्धारित की गई है।

डीजीपी बदरीनाथ

पुलिस महानिदेशक अभिनव कुमार ने आज बदरीनाथ धाम में यात्रा और सुरक्षा व्यवस्थाओं का जायजा लिया। उन्होंने कहा कि चारधाम यात्रा पर आने वाले प्रत्येक श्रद्धालु हमारे अतिथि के समान हैं। श्री कुमार ने कहा कि कोई भी यात्री बिना पंजीकरण और पंजीकरण की तिथि से पहले यात्रा पर न आएं। इस बीच, उन्होंने चारधाम यात्रा में सीजन ड्यूटी में तैनात पुलिस बल के ठहरने के लिए आवासीय बैरक, बिजली, पानी और शौचालयों की व्यवस्थाओं का भौतिक निरीक्षण किया। पुलिस महानिदेशक ने बदरीनाथ धाम में मास्टर प्लान की निर्माण इकाई से समन्वय स्थापित कर यातायात व्यवस्था को सुचारू रखने के भी निर्देश दिए हैं।

केदारनाथ

केदारनाथ यात्रा मार्ग में जाम में फंसे श्रद्धालुओं को जिला प्रशासन की ओर से चार हजार पांच सौ फूड पैकेट व पानी की बोतलें वितरित की गई हैं। अब तक लगभग सवा तीन लाख श्रद्धालु बाबा केदार के दर्शन कर चुके हैं। भारी संख्या में दर्शन को पहुंच रहे श्रद्धालुओं के कारण यात्रा मार्ग में विभिन्न स्थानों पर जाम की स्थिति बनी हुई है, ऐसे में जिला प्रशासन इन यात्रियों को आवश्यक सामग्री उपलब्ध करा रहा है।

आज प्रशासन की ओर से स्याल सौड़, काकड़ागाड़, दगड़िया बैंड़, रामपुर, शेरसी, जामू आदि क्षेत्रों में फूड पैकेट और पानी की बोतलें बांटी गई।

केदारनाथ गर्भगृह

केदारनाथ धाम में श्रद्धालु अब गर्भगृह में जाकर बाबा केदार के दर्शन कर रहे हैं। श्री बदरी–केदार मंदिर समिति के कार्यकारी अधिकारी आरसी तिवारी के मुताबिक जिला प्रशासन, पुलिस प्रशासन, स्थानीय तीर्थ पुरोहितों और मंदिर समिति के आपसी समन्वय के बाद यह निर्णय लिया गया है। उन्होंने बताया कि केदारनाथ मंदिर के गर्भगृह को सुबह चार बजे से श्रद्धालुओं के दर्शन के लिए खोल दिया गया है।

रीठा साहिब

चम्पावत जिले में मीठे रीठे के लिए प्रसिद्ध गुरुद्वारा रीठा साहिब में सालाना जोड़ मेला आज से शुरू हो गया है। तीन दिवसी मेले का उद्घघाटन जिलाधिकारी नवनीत पाण्डेय ने किया। इस मेले में लाखों की संख्या में सिक्ख श्रद्धालु पहुँचते हैं। उद्घघाटन अवसर पर विभिन्न प्रान्तों से आये ग्रन्थियों द्वारा गुरुग्रन्थ साहिब की अखण्ड पाठ की लड़ी पढ़ी गयी तथा सबत कीर्तन का आयोजन किया गया। गुरुद्वारा कमेटी के सदस्य गुरुबचन के मुताबिक इस पावन स्थान पर 14वीं शताब्दी के दौरान गुरू नानक देव जगत फेरी पर अपने शिष्य मर्दाना के साथ पहुंचे थे। हर साल वैसाख पूर्णिमा के अवसर पर यहाँ जोड़ मेले का आयोजन किया जाता है।

विवेकानन्द संगोष्ठी

अल्मोड़ा जिले में स्थित सोबन सिंह जीना विश्वविद्यालय में आज– "स्वामी विवेकानंद के विचारों के आलोक में शिक्षा, शिक्षार्थी और शिक्षण संस्थान" विषय पर दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी आयोजित की जा रही है। संगोष्ठी के शुभारंभ अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफ़ेसर सतपाल सिंह बिष्ट ने कहा कि जब तक विद्यार्थी स्वामी विवेकानन्द द्वारा दी गई शिक्षा और मनोविज्ञान को आत्मसात नहीं करेंगे, तब तक हमारा सर्वांगीण विकास नहीं हो सकता।

संगोष्ठी में शिक्षाविद डॉ राधाकृष्ण पिल्लई और स्वामी सर्वप्रियानंद महाराज ने वर्तमान शिक्षा और शिक्षण संस्थाओं की भूमिका पर आधारित व्याख्यान दिया। सेमिनार में ढाका विश्वविद्यालय के प्रोफेसर मिल्टन देव ने भी स्वामी विवेकानंद और शिक्षा पर व्याख्यान दिया। इसमें देश और विश्व के विभिन्न स्थानों से विषय विशेषज्ञ और शोधार्थी पहुंचे हैं।

आदि कैलाश

पर्वतारोहियों के एक दल ने **आदि कैलाश पर्वत की चोटी का आरोहण** किया है। सीबीटीएस के तीन सदस्यीय दल ने अपने पहले प्रयास में ही यह सफ़लता हासिल की। टीम के लीडर योगेश गर्ब्याल के मुताबिक आदि कैलाश रेंज में अल्पाइन स्टाइल क्लाइंबिंग के अभ्यास के दौरान टीम ने सुरक्षित चढ़ाई वाले रास्ते को ढूंढने में सफलता पाई। इस दल के सदस्यों में कला बड़ाल और मीनाक्षी रावत भी शामिल थी। गौरतलब है कि आदि कैलाश पर्वत की समुद्र तल से ऊंचाई पांच हजार नौ सौ पच्चीस मीटर है। इसे छोटा कैलाश के नाम से भी जाना जाता है।

प्रसव

चमोली जिले के नन्दानगर स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र में जन्म प्रतीक्षा गृह तैयार किया गया है। इसका उद्देश्य समय पर सुरक्षित प्रसव और मातृ मृत्यु दर में कमी लाना है। दूरदराज क्षेत्रों की गर्भवती महिलाओं को प्रसव की संभावित तिथि से पूर्व जन्म प्रतीक्षा गृह की सुविधा मिल सकेगी। मुख्य चिकित्सा अधिकारी डा. राजीव शर्मा ने कहा कि कई बार महिलाएं ठीक प्रसव पीड़ा के दौरान चिकित्सालय का रुख करती हैं, जिससे रास्ते में प्रसव की संभावना के साथ–साथ जच्चा–बच्चा को खतरा बना रहता है। उन्होंने विकासखण्ड नन्दानगर की जनता से अपील की है कि वो गर्भवती महिला को प्रसव तिथि से 8 से 10 दिन पूर्व चिकित्सालय में भर्ती करवाएं, ताकि उनकी समस्त जाँचे की जा सके।